मिशन शक्ति अन्तर्गत 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन।

पंचायती राज निदेशालय, उ0प्र0।

दिनांक 08 मार्च, 2021 को मिशन शक्ति अन्तर्गत 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर पंचायतीराज विभाग उ0प्र0 द्वारा एक दिवसीय राज्य स्तरीय ऑनलाईन विचार–गोष्ठी/कार्यशाला का शुभारम्भ श्री राज कुमार, अपर निदेशक, पंचायतीराज विभाग के निर्देशन में श्रीमती प्रवीणा चौधरी, उपनिदेशक(पं0)/ नोडल अधिकारी, आर.जी.एस.ए. द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में समस्त मण्डलीय उपनिदेशक(पं0) समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर एवं डी. आई.आर.डी./आर.आर.आई.डी. से फैकल्टी मेंबर एवं महिला प्रधानों की उपस्थिति रही। इसके साथ ही विशिष्ट सत्रों के संचालन के लिए विषय विशेषज्ञों के रूप में श्री मनीष कुमार–सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ, श्रीमती सुपर्णा गांगुली–एस.आई.आर.डी. प0बंगाल, डा0 नीलम सिंह– महिला रोग विशेषज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता की विशेष भूमिका रही।

कार्यशाला में पंचायतीराज व्यवस्था में महिला प्रधानों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्वावलम्बन, महिला अधिकार तथा सुरक्षा हेतु विधिक व्यवस्था पर विस्तृत रूप से विचार साझा कर 100 से भी अधिक प्रतिभागियों को वर्तमान परिदृश्य, चुनौतियों एवं समाधान पर संवेदित किया। इस अवसर पर अपर निदेशक महोदय द्वारा विभागीय न्यूज लेटर 'सफर' के द्वितीय संस्करण तथा महिला अधिकारों पर ''विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल'' का विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरे मन से कार्य करना होगा एवं प्रयास इस प्रकार के करने चाहिए कि हर दिन महिलाओं का दिवस हो और महिलाएं इतनी सशक्त हो कि इस विशेष महिला दिवस को मनाने की आवश्यकतान ही न पड़े। इस अवसर पर मिशन शक्ति अन्तर्गत विभागीय गतिविधियों/ प्रयासों से भी सबको अवगत कराते हुए श्रीमती प्रवीणा चौधरी जी ने महिला सशक्तीकरण की पहल, पहले स्वयं से करने के लिए बताते हुए कहा कि महिलाएं निशक्त नही है, उनके लिए अवसर बनाने की आवश्यकता है। महिला सशक्तीकरण हेतु पुरूष को साथ मिलकर कार्य करना होगा। श्रीमती नीलम सिंह द्वारा

ग्लोबल जैंडर गैप इंडेक्स पर चर्चा करते हुए देश में महिला सूचकांको की स्थिति पर प्रकाश डाला एवं कहा कि महिलाओं की मोबीलिटी व स्वास्थ्य पर अत्याधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अंत में सबके साथ खुले सत्र पर चर्चा के माध्यम से सभी के फीडबैक प्राप्त कर कार्यशाला समाप्त की गई।